40 लाख लोगों के 27 से 29 दिसंबर तक बिहार के राजगीर स्थित गुरुनानक देव शीतल कुंड परिसर मेंआयोजित होने वाले प्रकाश पर्व में शामिल होने की संभावना है। अतिथियों के ठहरने के लिए टेंट सिटी का निर्माण किया जाएगा।

शरारती और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ करें कठोर कार्रवाई : शाह

मिशन कश्मीर ▸ जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे गृह मंत्री ने सुरक्षाबलों को दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को अपने कश्मीर मिशन की शुरुआत की। उन्होंने सुरक्षाबलों को शरारती और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने श्री अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान शांति, सुरक्षा और विश्वास का माहौल बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देते हुए सीमा पर घुसपैठ पर भी पूरी तरह काबू पाने को कहा। गृह मंत्री बनने के बाद अमित शाह पहली बार राज्य के दो दिवसीय दौरे पर श्रीनगर पहुंचे हैं। वह गुरुवार दोपहर बाद लौटेंगे। श्रीनगर पहुंचने के बाद उन्होंने शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कांफ्रेंस सेंटर (एसकेआइसीसी) में श्री अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए सरक्षा प्रबंधों का राज्यपाल सत्यपाल मलिक संग एक उच्चस्तरीय बैठक में जायजा लिया। बैठक करीब सवा घंटे तक चली।

श्रीनगर के शेरे कश्मीर इंटरनेशनल कांफ्रेंस सेंटर में श्री अमरनाथ यात्रा के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते गृह मंत्री अमित शाह। जागरण

अमरनाथ यात्रा के सुरक्षा प्रबंधों का लिया जायजा: गृह मंत्री ने बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों से उनके कार्याधिकार क्षेत्र के मुताबिक श्री अमरनाथ यात्रा के सुरक्षा प्रबंधों, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई तैयारियों, हाईवे की स्थिति, आपात योजनाओं के बारे में पूछा। उन्होंने यात्रा के लिए किए गए प्रबंधों पर संतोष जताते हुए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। बैठक के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय में आंतरिक सुरक्षा विभाग के विशेष सचिव एपी महेश्वरी ने श्री अमरनाथ यात्रा के संदर्भ में हुई बैठक के बारे बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित और शांत माहौल में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने को कहा है।

तकनीक का यथासंभव इस्तेमाल करें : केंद्रीय गृह मंत्री ने बैठक में कहा कि सिर्फ यात्रा की सुरक्षा को यकीनी बनाने के लिए ही नहीं बल्कि श्रद्धालुओं व सैलानियों की आवाजाही को भी सुविधाजनक व सुरक्षित बनाने के लिए भी अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों व तकनीक का यथासंभव इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने सुरक्षाबलों को आतंकियों और विघटनकारियों से निपटने व कानून व्यवस्था की स्थिति की ड्रिल पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा।

24 घंटे की जाए संपर्क मार्गों की निगरानी : अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के वाहनों के काफिले के लिए एसओपी के अनुपालन को यकीनी बनाने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि वाहनों की आवाजाही समयबद्ध हो। तय समय सीमा के बाद संबंधित स्थानों पर अवरोधक लगाए जाएं और किसी भी श्रद्धालु या सैलानी के वाहनों को तय समय के बाद नहीं जाने दिया जाए। हाईवे के साथ सटे संपर्क मार्गों पर 24 घंटे निगरानी की जाए और जब तक हाईवे से श्रद्धालुओं के वाहन न गुजर जाए, हाईवे के साथ जुड़े संपर्क मार्ग से वाहन को हाईवे पर नहीं आने दिया जाए।

मुठभेड़ में मारा गया एजीएच का कुख्यात आतंकी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कई वारदात में शामिल था शब्बीर अहमद

आइजीपी कश्मीर एसपी पाणी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने त्राल में आतंकी शब्बीर अहमद को मार गिराया है। उसके अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि शब्बीर त्राल के निकट नागबल गांव का रहने वाला था और करीब चार साल से आतंकी गतिविधियों में सक्रिय था। पहले वह लश्कर का हिस्सा था। कुछ समय पहले वह एजीएच में शामिल हो गया था। उसके खिलाफ सुरक्षाबलों पर हमला करने, पंच-सरपंचों को धमकाने, छह नागरिक हत्याओं में शामिल होने समेत कई मामले दर्ज हैं।

सुरक्षाबलों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कश्मीर आगमन से ठीक पहले त्राल में एक भीषण मुठभेड़ में अलकायदा के संगठन अंसार-उल-गजवात-ए-हिंद (एजीएच) के प्रवक्ता व कुख्यात आतंकी शब्बीर अहमद उर्फ अबु उबैदा को मार गिराया, जबकि तीन अन्य आतंकी भाग निकले। आतंकियों को मार गिराने के अभियान में सेना के हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी इस्तेमाल किए गए। करीब चार घंटे चली मुठभेड़ में एक जवान भी घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, तड़के पुलिस को अपने तंत्र से पता चला कि एजीएच के तीन से चार आतंकी त्राल के ऊपरी हिस्से में एक जंगल में छिपे हुए हैं। इसके बाद सेना की 42 आरआर, राज्य पुलिस के विशेष अभियान दल और सीआरपीएफ के एक संयुक्त कार्यदल ने आतंकियों को पकड़ने के लिए अभियान छेड़ा। आतंकी बरेनपतरी कहलील जंगल में छिपे हुए थे। जवानों को अपने ठिकाने की तरफ आते देख उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें एक जवान जख्मी हो गया।

पहाड़ी पर लाभजनक स्थिति में थे आतंकी : आतंकी जंगल में एक पहाड़ी पर थे, जिससे वह पूरी तरह लाभजनक स्थिति में थे। उनकी सही स्थिति का पता लगाने के लिए सेना ने अपने ड्रोन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा सेना के जवानों ने करीब साढ़े आठ बजे हेलीकॉप्टर के जरिये आतंकी ठिकाने के पास अपना एक कमांडो दस्ता भी उतारा। यह मुठभेड़ करीब साढ़े सात बजे शुरू हुई और लगभग चार घंटे तक चली। आतंकियों की तरफ से अंतिम गोली करीब साढ़े ग्यारह बजे चली। इसके बाद जवानों ने सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते हुए जब मुठभेड़स्थल की तलाशी ली तो उन्हें वहां गोलियों से छलनी एक आतंकी का शव और हथियारों का जखीरा मिला। हालांकि पुलिस ने मारे गए आतंकी के अन्य साथियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन स्थानीय सूत्रों ने बताया कि वहां चार आतंकी थे। तीन मुठभेड़ के दौरान बच निकले हैं। इनमें एक इम्तियाज नामक आतंकी भी है।

शरारती तत्वों ने किया पथराव, चार घायल : इससे पूर्व मुठभेड़ की खबर फैलने के साथ ही पूरे त्राल में तनाव पैदा हो गया। त्राल बस स्टैंड के पास सबसे पहले हिंसा भड़की। वहां शरारती तत्वों ने मुठभेड़स्थल की तरफ जाने वाले सुरक्षाबलों के वाहनों पर पथराव किया। सुरक्षाबलों ने हिंसक तत्वों को खदेड़ने के लिए लाठियों और आंसूगैस का सहारा लिया। सुरक्षाबलों ने इन्हें खदेड़ दिया। कुछ ही देर में आतंकी के मरने की खबर फैली और शरारती तत्वों व सुरक्षाबलों के बीच फिर हिंसक झड़पें शुरू हो गईं, जो नागबल, रटसुना और उसके साथ सटे इलाकों में भी फैल गया। हिंसक तत्वों को खदेड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने भी लाठियां, पैलेट व आंसूगैस का इस्तेमाल किया।

मप्र में बड़ी वारदात की फिराक में नक्सली

श्रवण शर्मा, बालाघाट

छत्तीसगढ़ के कवर्धा से नक्सलियों की आवाजाही बालाघाट के रास्ते मंडला में होने के खबर मिल रही थी। पिछले कुछ दिनों से बालाघाट व मंडला जिले की सीमा में महाराष्ट्र व छग से नक्सली मूवमेंट बढ़ा है। यहां नक्सलियों ने वारदातों को भी अंजाम दिया है। पुलिस सर्चिंग बढ़ने से जंगल में दबाव भी बढ़ा है।

-अभिषेक तिवारी, एसपी, बालाघाट

आंध्र प्रदेश से आई नक्सलियों की नई खेप से सेंट्रल कमेटी ने प्लाटून-56 को जिंदा कर लिया है। इसके लिए पिछले एक साल से नक्सली नया इलाका तलाश रहे हैं। बॉर्डर एरिया में छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश की पुलिस की जारी कांबिंग सर्चिंग से नक्सलियों पर दबाव बढ़ा है। इससे नक्सली जंगलों में नए ठिकाने तलाश रहे हैं। नक्सली मध्य प्रदेश में बड़ी वारदात की फिराक में हैं।

सूत्रों के अनुसार, नक्सली बालाघाट के रास्ते छत्तीसगढ़ से होते हुए मंडला-डिंडौरी के जंगलों को अपना ठिकाना बना रहे हैं। सेंट्रल कमेटी ने बालाघाट व सिंगरौली पर फोकस किया है। इन दोनों जिलों के जंगल में नक्सली कैंप की तैयारी में हैं। यह भी बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र के सीमावर्ती इलाकों से मप्र के बालाघाट जिले में ताकत बढ़ा रहे नक्सलियों ने अपने नए रास्ते भी बना लिए हैं। नेटवर्क बढ़ाने के लिए एक तरफ जहां राज्यों के बॉर्डर एरिया में पुलिस आउटसोर्स बढ़ा रही है, वहीं दूसरी तरफ कवर्धा के रास्ते नक्सली बालाघाट से गुजरकर मंडला-डिंडौरी के जंगलों में सुरक्षित स्थान तलाश रहे हैं।

सात साल बाद इन रास्तों पर बढ़ाए कदम: मई 2012 में पचामा-दादर में नक्सली मुठभेड़ के बाद इन रास्तों से वापस लौट नक्सलियों ने मंडला-डिंडौरी के रास्तों को छोड़ दिया था। लेकिन छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र के बॉर्डर एरिया में दबाव बढ़ने से फिर नक्सलियों ने इन्हीं रास्तों को अपनाना शुरू कर दिया है। मप्र में लगातार वारदात की फिराक में पिछले सात साल से पैठ बढ़ा रहे नक्सली जंगलों में अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं।

छग में आईईडी विस्फोट कोई हताहत नहीं

नईदुनिया, नारायणपुर: छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर सोनपुर रोड पर बुधवार सुबह बेचा मोड़ के पास नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की कोशिश की। रोड ओपनिंग पार्टी पर हमला बोलते हुए नक्सलियों ने आइईडी विस्फोट कर दिया। जवानों की सतर्कता से नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फिर गया। फोर्स की जवाबी कार्रवाई में नक्सली जंगल की ओर भाग खड़े हुए। इलाके में सर्च अभियान चलाने के बाद जवानों ने दो कुकर बम बरामद किए हैं जिसे नष्ट कर दिया गया। घटना की पुष्टि करते एसपी मोहित गर्ग ने बताया कि सुबह रोड ओपनिंग के लिए बासिंग कैंप से डीआरजी, एसटीएफ और जिला बल के जवान निकले थे। घात लगाकर छिपे नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर दिया, जिसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उन्होंने बताया कि जवानों ने जैसे ही मोर्चा संभाला, नक्सली भाग खड़े हुए।

कटड़ा से नई दिल्ली के बीच चलेगी हाई स्पीड विशेष ट्रेन

जासं, जम्मू: श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और नई दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने हाई स्पीड विशेष रेलगाड़ी चलाने का फैसला किया है। यह रेलगाड़ी 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से दौड़ेगी और दोनों रेलवे स्टेशनों के बीच महज आठ घंटे में सफर पूरा कराएगी। इस विशेष रेलगाड़ी को चलाने के लिए रेलवे पहले ट्रायल करेगा। ट्रायल जल्द होने की सूचना है। इसके बाद इसे पटरियों पर उतार दिया जाएगा। यह ट्रेन नियमित होगी या कुछ दिनों के लिए ही चलाया जाएगा, इसके बारे में भी कोई सूचना नहीं है। हालांकि, रेलवे ने रेलगाड़ी के ठहराव स्थल और समय सारिणी जारी कर दी है।

यह विशेष रेलगाड़ी नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुबह छह बजे चलेगी और दोपहर दो बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वापसी में यह रेलगाड़ी दोपहर तीन बजे श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन कटड़ा से रवाना होकर देर रात 11 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

लोकसभा चुनाव में जीत की खुशी में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने पार की मर्यादा

जागरण संवाददाता, कोलकाता

- मिमी चक्रवर्ती के जीतने की खुशी में चल रहे कार्यक्रम में हुआ अश्लील डांस
- रोकने पर पुलिस से नेताओं ने की बदतमिजी, तीन गिरफ्तार
- पार्टी के जिला नेताओं ने की आलोचना

पश्चिम बंगाल में जादवपुर लोकसभा सीट के अंतर्गत भांगड़ निमकुड़िया गांव में तृणमूल कांग्रेस की मिमी चक्रवर्ती की भारी मतों से जीत की खुशी में कथित रूप से पार्टी नेताओं द्वारा अश्लील नृत्य आयोजित करने का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर राजनीति गर्म हो गई है। पार्टी के जिला नेताओं ने इसकी काफी आलोचना की है। वहीं, पार्टी के जिला अध्यक्ष और सांसद शुभाशीष चक्रवर्ती ने इस बाबत रिपोर्ट तलब की है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। सूत्रों की मानें तो जांच में आरोप प्रमाणित होने पर उपप्रधान और युवा नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। तीनों आरोपितों के नाम श्यामल घोष, बापी शेख और छकबट मोल्ला है।

जानकारी के मुताबिक लोकसभा चुनाव में भांगड़ से तृणमूल सांसद मिमी चक्रवर्ती को एक लाख पांच हजार वोट से जीत मिली थी। हालांकि तृणमूल सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं को जीत की खुशी में किसी भी तरह के विजय जुलूस नहीं निकालने का निर्देश दिया था। बावजूद इसके जीत की खुशी में तृणमूल संचालित शानपुर पंचायत के उप प्रधान अनसार मोल्ला और युवा नेता श्यामल मंडल के नेतृत्व में निमकुड़िया में एक जलसा आयोजित किया गया। वहां कव्वाली आयोजित करने की बात कही गई थी, लेकिन कोलकाता से कई बार डांसरों को बुलाया कर वहां अश्लील नाच करवाया गया।

तृणमूल के पूर्व विधायक आराबुल इस्लाम के करीबी नेताओं को डांसर के साथ अश्लील नृत्य करते देखा गया। अश्लील नृत्य देख जलसा देखने पहुंची स्थानीय महिलाएं वहां से भाग खड़ी हुईं। बाद में खबर पाकर काशीपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जलसा बंद करवा दिया। हालांकि इसे लेकर भी पुलिस और तृणमूल नेताओं के साथ बहस हुई। पुलिस ने बिना इजाजत जलसा आयोजित करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया। पूर्व तृणमूल विधायक आराबुल इस्लाम ने इसकी कड़ी निंदा की। कहा, अश्लील डांस से भांगड़ शर्मसार हुआ है। इस तरह का नृत्य पार्टी की ओर से आयोजित नहीं की गई थी। वहीं भांगड़-1 के ब्लॉक तृणमूल अध्यक्ष काइजर अहमद ने कहा कि पार्टी में इस तरह के अश्लील जलसा की संस्कृति नहीं है। जिसने भी इस तरह का गैरकानूनी अश्लील डांस का आयोजन किया हो उसे अविलंब गिरफ्तार किया जाए।

तबरेज की मौत पर माहौल गर्म कदमडीहा में संगठनों का जमावड़ा

जागरण संवाददाता, सरायकेला

शाइस्ता को नौकरी व मुआवजे की मांग

इंडियन मुस्लिम लीग के पूर्वी सिंहभूम जिलाध्यक्ष मंजर खान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल इस मुद्दे पर सरायकेला एसपी से मिला और ज्ञापन सौंपकर तबरेज की पत्नी शाइस्ता परवीन को सरकारी नौकरी व 10 लाख का मुआवजा देने की मांग की।

झारखंड के सरायकेला के धातकीडीह गांव में चोरी के आरोप में भीड़ की पिटाई के बाद तबरेज अंसारी की मौत के मामले को लेकर बुधवार को भी माहौल गर्म रहा। 17 जून को तबरेज की पिटाई और 22 जून को हिरासत में मौत होने के बाद से इस मुद्दे पर पूरे राज्य में बवाल मचा है। बुधवार को भी मामले की पड़ताल करने व परिजनों को सांत्वना देने कई संगठनों के लोग तबरेज के कदमडीहा स्थित घर पहुंचे। एक दिन पहले अल्पसंख्यक आयोग की टीम भी मामले की जांच करने यहां पहुंची थी। संगठनों ने दोषियों पर कार्रवाई करने और पीड़ित परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। संगठनों ने शोक संतप्त परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता भी दी।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) की झारखंड इकाई के अध्यक्ष हुब्बान मलिक ने तबरेज के परिजनों से बातचीत करते हुए कहा कि यह घटना इंसानियत को शर्मसार करने वाली है। वहीं महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल कदमडीहा पहुंचकर तबरेज के परिजनों से मिला और पूरे प्रकरण की जानकारी ली। इसके अलावा राष्ट्रीय जनता दल, इंडियन मुस्लिम लीग व अन्य संगठनों का प्रतिनिधिमंडल भी मामले की जानकारी लेने पहुंचा। जमीयत उलेमा ए हिंद की ओर से आर्थिक मदद भी की गई।

पिता की भी हुई थी हत्या: अजीब दुखद संयोग है कि भीड़ की हिंसा के शिकार तबरेज अंसारी के पिता मसकूर अंसारी की भी 2007 में हत्या हुई थी। बागबेड़ा में अज्ञात लोगों ने गला काटकर हत्या कर दी थी। जंगल में उनकी और उनके एक अन्य साथी की क्षत-विक्षत लाश मिली थी। इस मामले में हत्यारों का अब तक पता नहीं चल सका है। सरायकेला थाना के ही एक अधिकारी ने बताया कि मसकूर अंसारी अपराधी प्रवृत्ति का था और सरायकेला व बागबेड़ा थाने में उसके खिलाफ चोरी व डकैती के कई मामले दर्ज थे। कई बार वह जेल भी जा चुका था। माना गया था कि चोरी के आपसी विवाद में उसकी हत्या हुई थी। 2007 में घर से गायब होने के तीन दिन बाद मसकूर व पश्चिमी सिंहभूम के मझगांव के रहने वाले उसके साथी की सड़ी-गली लाश मिली थी। मसकूर का गला कटा हुआ था और सिर गायब था। दोनों के शव बागबेड़ा थाना क्षेत्र मतलाडीह व राजनगर के बीच जंगल में मिले थे।

बिहार में वज्रपात से 25 लोगों की मौत

जागरण टीम, पटना : बिहार में बुधवार को वज्रपात से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों झुलसे हैं। कोसी, सीमांचल, पूर्व बिहार, उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में तेज हवा और बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरी।

कोसी और सीमांचल के इलाके में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग झुलस गए। पूर्णिया के करियात पंचायत के भटगामा गांव में एक ही परिवार की दो महिलाओं व एक बच्ची की मौत हो गई और दो लोग बुरी तरह झुलस गए। कटिहार जिले में सोना देवी (50 वर्ष) की मौत हो गई। अररिया में रेखा देवी (49 वर्ष) की मौत हो गई और उसकी पुत्री गंभीर रूप से झुलस गई। सहरसा में एक महिला सहित तीन की मौत हो गई। मधेपुरा में खेत में मूंग तोड़ रही 25 वर्षीय महिला झुलस गई। भागलपुर, बांका, जमुई, खगड़िया, लखीसराय व मुंगेर जिलों में कुछ देर तक हुई झमाझम बारिश के बीच वज्रपात से सात लोगों की मौत हो गई तथा चार लोग झुलस गए। उत्तर बिहार में बारिश के दौरान वज्रपात से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक गंभीर रूप से झुलस गया। मृतकों में पूर्वी चंपारण व शिवहर के एक-एक और दरभंगा के दो लोग हैं। बेगूसराय में अलग-अलग प्रखंडों में बुधवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई ।

उप्र में बारिश-वज्रपात ने ली आठ लोगों की जान: उप्र में बारिश से जहां गर्मी से राहत महसूस की गई वहीं कई जगहों पर यह आफत लेकर आई। बुधवार को भी विभिन्न स्थानों पर बारिश के चलते मकान गिरे, वज्रपात हुआ। सूबे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि वज्रपात की चपेट में आकर कई लोग झुलस गए।

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफॉर्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

गर्म नारियल पानी से नहीं खत्म होते कैंसर सेल्स

विश्वास. News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: फेसबुक पर एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि टाटा मेमोरियल अस्पताल के डॉक्टर राजेंद्र ए बादवे ने पुष्टि की है कि गर्म नारियल पानी कैंसर सेल्स को मार देता है। इस पोस्ट में आगे दावा किया गया कि गर्म नारियल पानी में एंटी-कैंसर तत्व होते हैं, जो कि सिस्ट और ट्यूमर पर गहरा असर डालते हैं। विश्वास न्यूज की टीम की पड़ताल में यह दावा फर्जी साबित होता है।

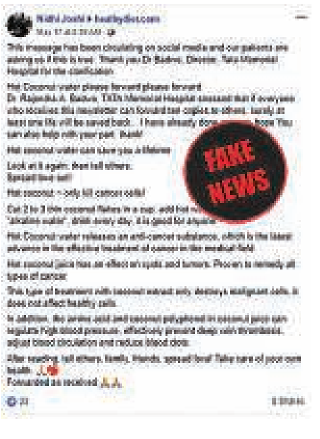

क्या है वायरल पोस्ट में?

वायरल हो रही पोस्ट अंग्रेजी में है, जो हिंदी में कुछ इस तरह है, 'यह संदेश सोशल मीडिया पर घूम रहा है और हमारे मरीज पूछ रहे हैं कि यह सच है कि नहीं। इसे स्पष्ट करने के लिए टाटा मेमोरियल अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. बादवे का शुक्रिया। डॉ. राजेंद्र ए बादवे ने इस बात पर जोर दिया है कि अगर किसी को यह न्यूज लेटर मिलता है तो वह दूसरों को 10 कॉपी फॉर्वर्ड कर सकता है, तय है कि कम से कम एक जिंदगी बचाई जा सकेगी। मैंने अपना हिस्सा अदा कर दिया है, आशा है कि आप भी अपनी भूमिका अदा करेंगे। शुक्रिया! गर्म नारियल पानी आपको उम्र भर बचा सकता है। इसे फिर से देखें और दूसरों को बताएं, प्यार फैलाएं। गर्म नारियल पानी कैंसर सेल्स को मारता है! नारियल के दो-तीन टुकड़े एक कप में डालें, फिर गर्म पानी मिलाएं, यह 'अल्केलाइन वॉटर' में बदल जाएगा, इसे रोज पिएं, यह सबके लिए अच्छा है। गर्म नारियल पानी से एंटी-कैंसर तत्व निकलते हैं, मेडिकल फील्ड में कैंसर के प्रभावी इलाज का यह लेटेस्ट आधुनिक तरीका है। इस पोस्ट में आगे लिखा है कि, 'गर्म नारियल पानी से होने वाला यह इलाज केवल हानिकारक सेल्स को खत्म करता है। इसके अलावा नारियल पानी में मौजूद अमीनो एसिड और पॉलीफिनॉल हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, थ्रांबोसिस से बचा सकता है और ब्लड सर्कुलेशन को ठीक रखते हुए खून का थक्का बनने से रोकता है।'

पड़ताल: विश्वास न्यूज की टीम ने सबसे पहले यह जानने की कोशिश की कि क्या डॉ.बादवे ने ऐसे किसी दावे की पुष्टि की है?। इसके लिए टीम ने गूगल पर **(Dr.Badwe, Tata Memorial Hospital said hot coconut water kills cancer cells)** कीवर्ड्स डालकर सर्च किया तो इस संबंध में कोई खबर नहीं मिली।

18 मई 2019 को एक अंग्रेजी अखबार के आर्टिकल में दिए गए टाटा मेमोरियल अस्पताल के बयान के मुताबिक यह मैसेज गलत है क्योंकि ऐसी कोई वैज्ञानिक स्टडी नहीं है, जो यह बताती हो कि गर्म नारियल पानी कैंसर का इलाज कर सकता है। डॉ. बादवे के हस्ताक्षर वाले इस बयान में लोगों से अपील की गई है कि सोशल मीडिया पर साझा किए गए इस नुकसान पहुंचाने वाले मैसेज का शिकार न बनें।

इसी तरह 18 मई 2019 को एक और अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित आर्टिकल के मुताबिक टाटा मेमोरियल अस्पताल, परेल के डायरेक्टर ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि गर्म नारियल पानी कैंसर का इलाज है। इसके बाद टीम ने यह जानना चाहा कि कहीं ऐसी कोई स्टडी तो नहीं जो यह कहती हो कि गर्म नारियल पानी कैंसर सेल्स को मारता है। टीम को 'यूएस नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ' की एक रिसर्च मिली। इस रिसर्च पेपर में कहा गया है कि नारियल पानी और विनेगर्स (सिरका) में एंटी-ट्यूमर और इम्यूनोस्टिम्यूलेट्री (इम्यून के रिस्पॉन्स को बढ़ाने वाला) तत्व होने की बात का पता चला है। हालांकि अभी परीक्षण होना बाकी है। नारियल पानी के अपने फायदे हैं, लेकिन कहीं भी इस बात का जिक्र नहीं है कि गर्म नारियल पानी कैंसर सेल्स को मार सकता है। इस पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि नारियल के दो-तीन टुकड़े गर्म पानी में डालने से यह 'अल्केलाइन वॉटर' बन जाएगा। टीम ने इससे जुड़ी वैज्ञानिक स्टडी ढूंढने की कोशिश की जो नहीं मिली।

आखिरी में विश्वास न्यूज की टीम ने इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के आन्कोलॉजिस्ट डॉ. मनीष सिंघल से संपर्क साधा तो उन्होंने बताया कि वायरल हो रही पोस्ट पूरी तरह से फर्जी है।

झूठी खबर और अफवाहों की हकीकत जानने के लिए वाट्सएप करें:
☎ 9205 270 293

अजब मामला

रांग नंबर पर दिल दे बैठी सलमा को प्रेमी से पति ने मिलाया

युवक के परिजन शादी के लिए राजी, युवती के नहीं, फिलहाल दोनों परिवारों का मामला कठुआ थाना में पहुंचा

राकेश शर्मा, कठुआ

पारस के परिवार को नहीं है कोई आपत्ति

पारस के परिजन भी अब किसी भी कीमत पर सलमा को दोबारा कश्मीर में उनके परिजनों के पास नहीं भेजना चाहते हैं। उनका कहना है कि जब सलमा उनके बेटे के साथ रहना चाहती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इसलिए वे अब उसे कश्मीर नहीं जाने देंगे। पारस के परिजनों का उनके मोहल्ले के लोग भी साथ दे रहे हैं। वे भी सलमा को वापस नहीं भेजने के लिए पुलिस पर दवाब बनाए हुए हैं। यह मामला पुलिस के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में भी है और शहर में चर्चा का विषय बना है।

जून 1999 में आई फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' तो आपको याद ही होगी। फिल्म में पति अपनी पत्नी को उसके प्रेमी तक पहुंचाने का प्रयास करता है। कुछ इसी तर्ज पर जम्मू-कश्मीर के कठुआ में यह कहानी दोहराई जा रही है। पिछले वर्ष कठुआ के एक युवक और कश्मीर की युवती के बीच रांग नंबर मिलने से कायम हुआ प्यार रिश्ता अब शादी तक पहुंच गया है। इस एक साल में युवती के परिजन उसे कश्मीर भी ले गए और वहां उसकी शादी करा दी, लेकिन वह फिर से कठुआ में अपने प्रेमी के पास आने में सफल रही और दोनों ने शादी कर ली। युवती को उसके प्रेमी से मिलवाने में पति ने उसका साथ दिया और उसे उसके प्रेमी तक पहुंचा दिया। अब मामला पुलिस तक पहुंच गया है, क्योंकि युवती के परिजन उसे लेने के लिए फिर कश्मीर से कठुआ पहुंच गए हैं।

जानकारी के मुताबिक पारस और सलमा के बीच प्यार की शुरुआत पिछले साल मोबाइल पर रांग नंबर मिलने से हुई। बाद में यही रांग नंबर दोनों के बीच जीवन भर की गाड़ी चलाने के लिए हमेशा के लिए सही हो गया। उस समय सलमा नाबालिग थी। ऐसे में वह प्रेमी के घर में नहीं रह सकती थी। इसके चलते सलमा के परिजन उसे कठुआ से वापस कश्मीर ले गए, लेकिन उसके बाद भी उसका पारस से फोन पर संपर्क बना रहा।

पति ने भी दिया साथ : इसी बीच सलमा के परिजनों ने उसकी मर्जी के खिलाफ, कश्मीर में अपने ही एक रिश्तेदार के लड़के से उसकी शादी करवा दी। सलमा को यह शादी दिल से मंजूर नहीं थी। ऐसे में उसने अपने पति को पारस के प्यार के बारे में सब कुछ बता दिया। उसकी बात सुनकर उसके पति ने उसे वापस कठुआ पारस के पास छोड़ने की योजना बनाई। चार दिन पहले पति सलमा को कठुआ में पारस के घर छोड़ कर वापस चला गया।

प्रेमी ने अपनाया : पारस तो सलमा का एक साल से इंतजार कर रहा था, ऐसे में उसके आते ही उसने सबसे पहले कठुआ नोट्री में आधार कार्ड पर सलमा के बालिग होने का सुबूत दिखाकर अपनी शादी पंजीकृत कराई। इसके बाद एक स्थानीय मंदिर में उसने पंडित के समक्ष शादी की।

मामला पहुंचा पुलिस थाने : कश्मीर में जब सलमा के परिजनों को इस बारे में पता चला तो उन्होंने वहां पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। उसके बाद वे पुलिस की सहायता से दोबारा सलमा को वापस कश्मीर ले जाने के लिए कठुआ पहुंच गए हैं। कठुआ पुलिस सलमा को पारस के घर से थाना में ले गई। वहां सलमा अपने परिजनों एवं पुलिस के समक्ष वापस कश्मीर नहीं जाने और अब पारस के साथ ही रहने की जिद पर अड़ी रही। सलमा ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी मर्जी से पारस के साथ शादी की है। इसलिए वह अब पारस के साथ ही रहेगी।

उत्तर प्रदेश की उन्नाव जेल में हथियार लहराते बंदियों का वीडियो वायरल

जागरण संवाददाता, उन्नाव

उप्र के उन्नाव जिले की जेल में पार्टी करते बंदियों के वीडियो वायरल हुए हैं। बंदी योगी आदित्यनाथ सरकार को चुनौती दे रहे हैं। फरवरी में बना यह वीडियो अब वायरल होने पर जेल प्रशासन की हवाइयां उड़ी हैं। वायरल वीडियो की संख्या चार है। इनमें एक बैरक के भीतर पार्टी के दौरान शराब परोसने, दूसरा असलहों के साथ दबंगई दिखाने का है। जेल अधीक्षक ने वीडियो की जांच कराने की बात कहकर तमंचे को मिट्टी का खिलौना बताया। बंदियों की पार्टी में दिख रही बोतल में शराब को तेल बताया है।

दरअसल, उन्नाव जिला जेल में बंद अपराधियों को उनका मनचाहा सब कुछ उपलब्ध है। मोबाइल छोटी बात है। असलहा और शराब तक मिल रही है। बुधवार को वायरल वीडियो में दो बंदी कह रहे हैं कि जेल में जो बोलेगा उसे मार दिया जाएगा और जो बाहर बोलेगा उसे भी मार दिया जाएगा। यही नहीं, किसी अंशुल दीक्षित हिस्ट्रीशीटर के बारे में बात की गई तो वहीं आगे का क्या प्रोगाम है, इस पर मंडली लगी दिखी। वीडियो में योगी सरकार को भी चुनौती दी गई है। एक बंदी कह रहा है, 'मेरठ हो उन्नाव, योगी सरकार क्या बिगाड़ पाई। जेल हमारे लिए कार्यालय होते हैं।' बताते हैं कि मेरठ का अमरेश सिंह और रायबरेली का देवप्रताप सिंह उर्फ गौरव (अंकुर) जेल में बैरक नंबर 17 में बंद हैं। दोनों हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा भुगत रहे हैं। इनका ही वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में दोनों दंबगई दिखाते नजर आए। दो मिनट 21 सेकंड के चार वीडियो में एक क्लिपिंग एक मिनट की है। बाकी 20 से 31 सेकंड के बीच की हैं। वीडियो वायरल होने की खबर पर डीएम देवेंद्र कुमार पांडेय व एसपी एमपी सिंह ने शाम को जेल का निरीक्षण किया।

जमाने में दम नहीं कि मिटा सके हमको, जमाना खुद हमसे है जमाने से हम नहीं, इस संदेश के साथ उन्नाव जेल में असलहा लहराता कैदी देव प्रताप सिंह। फोटो : वायरल वीडियो से

जिस तमंचे की बात की जा रही है, वह मिट्टी का बना है। शराब की जगह तेल की शीशी है। जेल में मोबाइल कैसे आया और वीडियो कैसे बना, इस संबंध में पांच बंदीरक्षकों के खिलाफ डीजी जेल को रिपोर्ट दी गई है। वीडियो पूरी तरह से नकली है।

-एके सिंह, जेल अधीक्षक